एनएसआई और मिस्र के बीच चीनी तकनीक पर समझौता

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) अब मिस्र की चीनी मिलों की तकनीकी दक्षता सुधारेगा। इस संदर्भ में एनएसआई और मिस्र की असुईट यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ शुगर एण्ड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नालॉजी के बीच मिस्र में आयोजित समारोह में आपसी समझौते पर हस्ताक्षर हुए। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन और मिस्र की यूनिवर्सिटी के प्रो. तारिक अब्दुल्लाह ने हस्ताक्षर किए।

NSI signs MoU with Assiut University

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

In pursuit of making its presence felt globally, National Sugar Institute, Kanpur has marched one step further. During his visit to Egypt, Director, National Sugar Institute, Kanpur signed an MoU between the institute and Faculty of Sugar and Integrated Industries Technology, Assiut University, Egypt. As regards Assiut University, it is the fourth biggest university of the Egypt in which about 84,000 students are studying at present. As per the terms and conditions of the MoU, National Sugar Institute, Kanpur in association with Assiut University will organise 'Refresher Courses' and 'Customised Training Programmes' for the in-service technical personnel of the sugar factories in Egypt to enhance their knowledge in the areas of newer developments in sugar processing and also about the standard operating procedures to be adopted for enhancing efficiency. Side by side, the two institutes will also work on development of newer techniques for processing and also value added products so as to enhance the revenue earnings of the sugar factories. Felicitating Prof Mohan on this occasion, Prof Tarek Abdalla El-Gammal, President, Assiut University expressed his confidence that such association with National Sugar Institute, Kanpur will go a long way in meeting requirements of the technical manpower required for Egyptian sugar industry and also in enhancing much required technical efficiency of the sugar plants.

NSI Kanpur signs MoU with Assiut University, Egypt, for organising Refresher Courses and Customised Training Programmes

Prof Narendra Mohan, Director, National Sugar Institute, Kanpur informed that in Egypt, sugar is produced both from sugarcane and sugarbeet but due to various reasons, the cost of sugar produced from sugarcane remains higher by around 20 per cent from sugar beet and thus cane sugar factories are in trouble. The situation can be improved by enhancing the technical efficiencies of the cane sugar units and also by enhancing income through utilisation of by-products in a better manner. The potential of byproduct utilisation is much wanted which is matter of serious concern, he added.

At present, Egypt produces sugar about 2/3rd of its annual consumption and imports about 1.0 million tonnes to meet requirements, hence there is greater scope for expansion and modernisation of sugar industry in Egypt, said Prof Mohan.

With signing of this MoU, National Sugar Institute may play a dominant role in the development and diversification of the sugar industry in Egypt, opined Prof Mohan.

On this occasion, he also addressed the delegates of sugar factories from Egypt, staff and students of Assiut Ur. ersity on the topic, 'Sugar Industry-Sugar and beyond' where he stressed upon production of multi-value added products in a sugar factory for economic sustainability.

एनएसआई और मिस्र के बीच समझौते पर दस्तखत

एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद एनएसआई व मिस्र यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि।

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान और मिस्र की असुइट यूनिवर्सिटी की फैकल्टी आफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलाजी के बीच असुइट यूनिवर्सिटी, मिस्र में आयोजित मसारोह में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये। समझौते के तहत एनएसआई मिस्र की चीनी मिलों की तकनीकी दक्षता सुधारने का कार्य करेगा। असुईट यूनिवर्सिटी, मिस्र की चौथी सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी है, जिसमें 84 हजार छात पढ़ते हैं। एनसआई असुइट यूनिवर्सिटी में रिफ्रेशर कोर्स, विशेष प्रशिक्षत देगा। दोनों संस्थान चीनी निर्माण की नयी तकनीकों एवं वैल्यू एडेड प्रोडक्ट बनाने का कार्य करेंगे। असुईट यूनिवर्सिटी के प्रे सीडेंट प्रो. तारेक अब्दुला इल गम्माल ने एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन कों सम्मानित करते हुए एनएसआई से तकनीकी स्टाफ की जरूरत पूर्ण भी करेगा। निदेशक ने बताया कि मिस्र में गन्ने व चुकंदर दोनों से चीनी बनायी जाती है। विभिन्न कारणों से गन्ने से बनायी जाने वाली चीनी की लागत चुकंदर की अपेक्षा 20 फीसदी अधिक होती है।

www.jagran.com

एक नजर में

मिस्र की चीनी मिलों को दक्ष बनाएगा एनएसआइ

कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) अब मिस्र की चीनी मिलों को तकनीकी सलाह देकर उन्हें दक्ष बनाएगा। मिस्र के असुईट विश्वविद्यालय के साथ एनएसआइ ने करार किया है। असुईट विवि में हुए कार्यक्रम के दौरान वहां की फैकल्टी ऑफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी व एनएसआइ के बीच यह करार हुआ। इस करार के तहत वहां की तकनीक विकसित करने में एनएसआइ उसकी मदद करेगा। एनएसआइ निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि मिस्र में गन्ने व चुकंदर से चीनी बनाई जाती है। (जास)

मिस्र की चीनी मिलों को दक्ष बनाएगा एनएसआई

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) मिस्र की चीनी मिलों को दक्ष बनाएगा। इस संबंध में मिस्र में आयोजित एक कार्यक्रम में एनएसआई और मिस्र की असुईट यूनिवर्सिटी की फैकल्टी ऑफ शुगर एंड इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज टेक्नोलॉजी के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि असुईट मिस्र की चौथी सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी है। इसमें 84 हजार छात्र पढ़ते हैं। मिस्र की चीनी मिलों की तकनीकी कमियों के लिए असुईट यूनिवर्सिटी के साथ मिल कर रिफ्रेशर कोर्स तथा विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। मिस्र में गन्ने एवं चुकंदर दोनों से चीनी बनाई जाती है। इस अवसर पर प्रो. मोहन ने 'शुगर इंडस्ट्री-शुगर एंड बियॉन्ड' विषय पर भी यूनिवर्सिटी के छात्रों और मिस्र की चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को व्याख्यान दिया। संवाद